RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 अंक- 52 भीलवाड़ा, सोमवार, 29 जून 2026 पृष्ठ-04 मूल्य-04 रूपये

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: 8 आरोपियों के घर एक साथ पुलिस की छापेमारी, साक्ष्य जुटाने में जुटी SIT

▪ स्मार्ट हलचल

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में रविवार सुबह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जेल में बंद सभी आठ आरोपियों के आवासों पर एक साथ छापेमारी की। सुबह करीब 7 बजे पुलिस की आठ अलग-अलग टीमें आरोपियों के घरों पर पहुंचीं और तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान तीन आरोपियों के घरों पर ताला लगा मिला, जबकि अन्य स्थानों पर पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की और दस्तावेजों की जांच की।

पुलिस टीम ने आरोपी रामशंकर उर्फ टिन्नू यादव के घर अलमारी और बक्सों की गहन तलाशी ली। वहीं आरोपी अनुकल्प मिश्रा के आवास पर तलाशी के दौरान एक डायरी बरामद होने की जानकारी सामने आई है। डायरी को जांच के लिए कब्जे में लेकर उसकी पड़ताल की जा रही है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पड़ोसियों से भी पूछताछ कर उनके रहन-सहन, गतिविधियों तथा मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई। जिन मकानों पर ताला मिला, वहां आसपास के लोगों से भी आवश्यक जानकारी एकत्र की गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह छापेमारी मामले से जुड़े अतिरिक्त साक्ष्य और दस्तावेज जुटाने के उद्देश्य से की गई है। इससे पहले इस प्रकरण में आठों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है। जांच एजेंसी अब मामले से जुड़े वित्तीय दस्तावेजों, बरामद सामग्री और अन्य साक्ष्यों का मिलान कर रही है।

गौरतलब है कि राम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितता और चोरी के मामले में विशेष जांच दल (SIT) की रिपोर्ट के आधार पर आठ लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस का कहना है कि विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छत पर तराई के दौरान करंट लगने से 2 बच्चों की मौत, 2 झुलसे

कोटा के किशोरपुरा क्षेत्र की दर्दनाक घटना, पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शुरू की जांच

निर्माणाधीन मकान की छत पर तराई के दौरान हादसा।

करंट लगने से आदिल (16) और समीर (10) की मौत।

दो अन्य बच्चे झुलसे, एक का उपचार जारी।

परिजनों ने पोस्टमॉर्टम से किया इनकार।

पुलिस ने मर्ग दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू की।

कोटा। शहर के किशोरपुरा थाना क्षेत्र स्थित साजीदेहड़ा इलाके में रविवार शाम निर्माणाधीन मकान की छत पर तराई (क्योरिंग) के दौरान करंट लगने से दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे झुलस गए। मृतकों की पहचान आदिल (16) और समीर (10) के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

पुलिस एवं परिजनों के अनुसार आदिल और उसका भांजा समीर निर्माणाधीन मकान की छत पर पानी से तराई कर रहे थे। इसी दौरान छत पर लगी लोहे की रेलिंग में अचानक विद्युत प्रवाह आ गया। सबसे पहले आदिल करंट की चपेट में आया। उसे बचाने के प्रयास में समीर भी करंट की चपेट में आ गया। छत गीली होने के कारण वहां मौजूद दो अन्य बच्चों को भी करंट का झटका लगा।

घटना के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग चारों बच्चों को उपचार के लिए एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने आदिल और समीर को मृत घोषित कर दिया। घायल रिजवान (12) का उपचार रामपुरा सेटेलाइट अस्पताल में जारी है, जबकि चौथे बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही किशोरपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। थाना

प्रभारी भूरी सिंह ने बताया कि मृतकों के परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने तथा किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार किया। लिखित सहमति मिलने के बाद पुलिस ने बिना पोस्टमॉर्टम किए दोनों शव परिजनों को सौंप दिए। मामले में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर विद्युत सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि निर्माणाधीन मकान की रेलिंग में करंट किस कारण प्रवाहित हुआ।

वेनेजुएला में भूकंप से तबाही: मृतकों की संख्या 1,430 पहुंची, 68,900 से अधिक लोग अब भी लापता

▪ स्मार्ट हलचल

मृतकों की पुष्टि: 1,430

लापता: 68,900 से अधिक

प्रभावित आबादी: करीब 67.6 लाख

राहत अभियान: चौथे दिन भी जारी

24 से अधिक देशों ने भेजी सहायता

काराकास/ला गुआइरा। वेनेजुएला में आए दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद राहत एवं बचाव अभियान चौथे दिन भी जारी है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार अब तक 1,430 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 68,900 से अधिक लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। प्रभावित क्षेत्रों में मलबे के नीचे फंसे लोगों की तलाश लगातार जारी है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

सबसे अधिक तबाही ला गुआइरा राज्य और राजधानी काराकास के आसपास देखने को मिली है, जहां सैकड़ों इमारतें ढह गईं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। हजारों परिवार बेघर हो गए हैं और लोग अपने परिजनों की तलाश में मलबे के बीच भटक रहे हैं। कई स्थानों पर स्थानीय नागरिक भी राहत दलों के साथ बचाव कार्य में जुटे हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस आपदा से लगभग 67.6 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हजारों लोग घायल हैं और अस्पतालों पर भारी दबाव है। देश में लगातार आ रहे झटकों के कारण बचाव कार्य भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

दुनिया के 24 से अधिक देशों ने वेनेजुएला को राहत एवं बचाव सहायता भेजी है। कई देशों की विशेषज्ञ टीमें, चिकित्सा दल और राहत सामग्री प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भी मानवीय सहायता उपलब्ध कराने में जुटी हैं।

यूरोप में भीषण हीटवेव का कहर: फ्रांस में 1,000 अतिरिक्त मौतों का अनुमान, जर्मनी में तापमान ने तोड़े रिकॉर्ड

▪ स्मार्ट हलचल

जलवायु परिवर्तन से बढ़ीं चरम गर्मी की घटनाएं, वैज्ञानिकों ने जताई गंभीर चिंता

पेरिस/बर्लिन। यूरोप इन दिनों भीषण हीटवेव की चपेट में है। फ्रांस की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार पिछले सप्ताह रिकॉर्डतोड़ गर्मी के दौरान करीब 1,000 अतिरिक्त मौतें होने का प्रारंभिक अनुमान लगाया गया है। एजेंसी का कहना है कि घरों में हुई मौतों सहित पूरा आंकड़ा आने के बाद यह संख्या और बढ़ सकती है।

स्वास्थ्य एजेंसी के मुताबिक, हीटवेव के सबसे गंभीर दौर में दैनिक मृत्यु दर सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक रही। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बुजुर्गों की मौत हुई। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार अतिरिक्त मौतों में लगभग 85 प्रतिशत मृतक 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के थे।

उधर, हीटवेव अब यूरोप के पूर्वी हिस्सों की ओर बढ़ रही है। जर्मनी में राष्ट्रीय मौसम सेवा के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार देश में 41.7 डिग्री सेल्सियस का नया सर्वकालिक तापमान रिकॉर्ड दर्ज किया गया। इसके साथ ही कई अन्य यूरोपीय देशों में भी 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती वैश्विक गर्मी के कारण यूरोप में हीटवेव पहले की तुलना में कहीं अधिक तीव्र और बार-बार आने लगी हैं। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन (World Weather Attribution) के हालिया अध्ययन के अनुसार मानवजनित जलवायु परिवर्तन के बिना इस स्तर की चरम गर्मी की संभावना बेहद कम थी। अध्ययन में कहा गया है कि ऐसी घटनाएं अब लगभग 20 वर्ष पहले की तुलना में करीब 200 गुना अधिक संभावित हो चुकी हैं।

अत्यधिक गर्मी का असर परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और बिजली व्यवस्था पर भी पड़ा है। कई क्षेत्रों में जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं, जबकि प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

मादक पदार्थ तस्करी पर भीलवाड़ा पुलिस का वज्रप्रहार: 53 लाख के डोडा चूरा के साथ 40 हजार का इनामी ड्रग तस्कर गिरफ्तार

बिजौलिया पुलिस और डीएसटी ने ब्लैक सफारी कार को घेरकर दबोचा; 19 कट्टों में भरा 355 किलो अफीम डोडा चूरा जब्त, जोधपुर का शातिर तस्कर कपिल विश्नोई चढ़ा हत्थे, नागौर व चित्तौड़गढ़ पुलिस को थी लंबे समय से तलाश

▪ स्मार्ट हलचल

बिजौलिया। भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक श्री सागर (IPS) के आदेशानुसार संपूर्ण जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे निर्णायक और आक्रामक अभियान के तहत बिजौलिया थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (DST) ने संयुक्त रूप से एक बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस टीम ने हाईवे पर घेराबंदी कर एक लग्जरी ब्लैक टाटा सफारी कार से भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त किया है। इसके साथ ही मौके से दो अलग-अलग जिलों के वांछित और कुल 40 हजार रुपये के इनामी कुख्यात तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन 355 किलोग्राम है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 53 लाख 25 हजार रुपये आंकी गई है।

डीएसटी कांस्टेबल की सटीक सूचना पर बिछाया नाकाबंदी का जाल:

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पारस जैन एवं वृत्ताधिकारी वृत मांडलगढ़ योगेश शर्मा के निकटतम सुपरविजन में बिजौलिया थानाधिकारी स्वागत पंड्या (पु.नि.) के नेतृत्व में यह पूरी कार्रवाई अंजाम दी गई।

शनिवार, 27 जून 2026 को भीलवाड़ा जिला स्पेशल टीम के सजग कांस्टेबल राकेश (नंबर 1735) को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि एक काले रंग की लग्जरी सफारी कार में भारी मात्रा में डोडा चूरा भरकर जोधपुर की तरफ ले जाया जा रहा है। इस सटीक इनपुट पर बिजौलिया थाना पुलिस ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए नेशनल हाईवे पर कड़ा नाका लगा दिया।

सफारी कार से निकले 19 कट्टे, जोधपुर ग्रामीण का तस्कर गिरफ्तार:

नाकाबंदी के दौरान जब पुलिस ने संदिग्ध काले रंग की टाटा सफारी कार को रुकवाकर उसकी सघन तलाशी ली, तो पुलिस की आंखें फटी रह गईं। कार के भीतर और डिग्गी में बड़ी चालाकी से छुपाकर रखे गए कुल 19 अलग-अलग प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए। इन कट्टों को खोलकर जब तौल किया गया, तो उनमें 355 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा भरा पाया गया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त लग्जरी कार को तत्काल जब्त कर मौके से मुख्य आरोपी कपिल पुत्र भारमलराम विश्नोई (उम्र 28 साल, निवासी- कंवर जी का खेजड़ी, थाना ओसियां, जिला जोधपुर ग्रामीण) को सलाखों के पीछे धकेल दिया।

नागौर और चित्तौड़गढ़ पुलिस का वांटेड था आरोपी, घोषित था भारी इनाम:

पकड़ा गया आरोपी कपिल विश्नोई राजस्थान पुलिस की हिटलिस्ट में शामिल एक बेहद शातिर और आदतन ड्रग तस्कर है। वह पुलिस थाना गोटन (जिला नागौर) और पुलिस थाना बेगूं (जिला चित्तौड़गढ़) के एनडीपीएस मामलों में लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर नागौर पुलिस द्वारा 15,000 रुपये तथा चित्तौड़गढ़ पुलिस द्वारा 25,000 रुपये यानी कुल 40,000 रुपये का नगद इनाम घोषित किया हुआ था। बिजौलिया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज कर लिया है और अब उससे यह पता लगाया जा रहा है कि यह खेप चित्तौड़गढ़-प्रतापगढ़ बेल्ट से किसने सप्लाई की थी और जोधपुर में किसे बेची जानी थी। इस बड़ी कार्रवाई में भीलवाड़ा डीएसटी टीम का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

सफलता हासिल करने वाली जांबाज पुलिस टीम:

इस मेगा ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी स्वागत पंड्या, सहायक उपनिरीक्षक (ASI) नरेश कुमार, डीएसटी के कांस्टेबल राकेश (1735) मय टीम, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह (07), कांस्टेबल मनोज (1640), कांस्टेबल अनिल कुमार (2037), कांस्टेबल दलवीर (708) तथा कांस्टेबल रणजीत (1582) शामिल रहे।

बापू कॉलोनी में जर्जर ट्रांसफार्मर पोल बना हादसे का खतरा

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / शहर की बापू कॉलोनी स्थित अरिहंत हॉस्पिटल के सामने वॉलीबॉल मैदान के पास वर्षों से टूटा और जर्जर ट्रांसफार्मर पोल किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। अस्पताल आने-जाने वाले मरीज, राहगीर और मैदान में खेलने वाले बच्चों की सुरक्षा पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संबंध में कई बार बिजली विभाग को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक पोल बदलने की कोई कार्रवाई नहीं हुई। बरसात के मौसम में पोल की स्थिति और अधिक खतरनाक हो गई है, जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। समाजसेवी छीतर मल गेंगट ने मौके पर पहुंचकर पोल का फोटो और वीडियो बनाकर बिजली विभाग के अधिकारियों को भेजा तथा तत्काल नया ट्रांसफार्मर पोल लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि विभाग को किसी अनहोनी का इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि जनहित को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए। क्षेत्रवासियों ने भी बिजली विभाग से जल्द समाधान की मांग करते हुए कहा कि समय रहते पोल नहीं बदला गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

टेम्पो पलटा, पिता व दो पुत्र घायल

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / भीम उनियारा राष्ट्रीय राजमार्ग-148डी पर नई राज्यास के पास शनिवार को वेफर्स से भरा एक टेम्पो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।हादसे में टेम्पो में सवार पिता और उनके दो पुत्रों को हल्की चोटें आईं। ग्रामीणों की तत्परता से तीनों को प्राथमिक उपचार दिलाया गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शी दिलखुश बावरी ने बताया कि गोपाल वेफर्स का टेम्पो शाहपुरा से गुलाबपुरा की ओर जा रहा था।नई राज्यास के समीप अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया और टेम्पो सड़क पर ही पलट गया। हादसे में वाहन की बॉडी और आगे का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया।सड़क पर टेम्पो पलटने से कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया।सूचना मिलते ही प्रशासक सत्यनारायण भील ने तत्काल जेसीबी मशीन मौके पर भिजवाई। जेसीबी की मदद से टेम्पो को सीधा कर सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। प्रशासक सत्यनारायण भील ने बताया कि टेम्पो चालक केकड़ी के नंदराय का निवासी है। फिलहाल

वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। ग्रामीणों ने उठाए सवाल, सुरक्षा उपायों की मांग घटना के बाद ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-148डी पर लगातार हो रहे हादसों पर चिंता जताई। उनका कहना है कि शाहपुरा से गुलाबपुरा के बीच इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दुर्घटनाओं के कारणों की गंभीरता से जांच कर इस ब्लैक स्पॉट की पहचान की जाए तथा सड़क सुरक्षा के प्रभावी और स्थायी उपाय किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।वही अरवड़ से शाहपुर के बीच 1 माह में 3 हादसे हो गए..

आर-पार की जंग: पीपलूंद चारागाह विवाद में अब खून से लिखा जाएगा ज्ञापन; दौड़ते हुए भीलवाड़ा पहुंच जिला कलेक्टर को घेरेंगे ग्रामीण

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर । पीपलूंद बाईपास निर्माण के नाम पर सरकारी चारागाह भूमि को छलनी करने, अरावली की पहाड़ियों को अवैध रूप से खोदने और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाने का मामला अब पूरी तरह से सुलग उठा है। बार-बार शिकायत करने और प्रशासनिक स्तर पर केवल कागजी कमेटियां गठित कर मामले को दबाने के कथित प्रयासों से क्षुब्ध ग्रामीणों का आक्रोश अब निर्णायक और आर-पार की जंग के मोड़ पर पहुंच गया है। स्थानीय प्रशासन की घोर अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने अब गांधीवादी और आत्मोसर्ग की राह पर चलते हुए अपने आंदोलन को बेहद आक्रामक और व्यापक स्वरूप देने का ऐलान कर दिया है।

मंगलवार को बहेगा रक्त, सावन टांक खून से लिखेंगे जनता की पीड़ा:

आंदोलनकारी ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, इस बहरी हो चुकी प्रशासनिक व्यवस्था के कान खोलने के लिए मंगलवार को एक बेहद

भावुक और प्रतीकात्मक कदम उठाया जाएगा। क्षेत्र के सजग युवा सावन टांक अपने शरीर से रक्त (खून) निकालकर उससे मुख्यमंत्री और जिला कलेक्टर के नाम का विस्तृत ज्ञापन लिखेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन हमारी सामान्य स्याही से लिखी पीड़ा को रद्दी की टोकरी में डाल देता है, इसलिए अब हम अपनी मातृभूमि और मूक गोवंश के चारागाह को बचाने के लिए अपने खून से मांगपत्र लिखेंगे, ताकि सोए हुए तंत्र को जनता के दर्द का अहसास हो सके।

बुधवार को 'न्याय मैराथन'— दौड़ते हुए जिला मुख्यालय पहुंचेगी आवाज:

खून से लिखे इस ऐतिहासिक ज्ञापन को केवल डाक से नहीं भेजा जाएगा, बल्कि बुधवार को समूचे क्षेत्र के युवा और ग्रामीण जहाजपुर से भीलवाड़ा जिला मुख्यालय तक की दूरी दौड़ते हुए (मैराथन के रूप में) तय करेंगे। ग्रामीण युवा तपती धूप और सड़कों पर दौड़ते हुए सीधे जिला कलेक्टर के द्वार पहुंचेंगे और उन्हें यह मांगपत्र सौंपेंगे। ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि मौके पर ५० बीघा से अधिक चारागाह भूमि का विनाश साफ दिखने के बावजूद स्थानीय अधिकारियों द्वारा निर्माण एजेंसी को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों में गहरा असंतोष व्याप्त है।

आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को बचाने की है यह लड़ाई:

ग्रामीणों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि प्रशासन हमारी शांतिप्रियता को हमारी कमजोरी समझने की भूल कतई न करे। **हमारी मांग बेहद स्पष्ट है—** पूरे माइनिंग और कंस्ट्रक्शन घोटाले की एक स्वतंत्र विंग से निष्पक्ष जांच हो, चारागाह को पूर्ववत स्वरूप में बहाल किया जाए और पर्यावरण को नष्ट करने वाले ठेकेदार व भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। ग्रामीणों ने दोटूक कहा, 'अब यह लड़ाई केवल जमीन के एक टुकड़े की नहीं है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण, जल, जंगल और सार्वजनिक संसाधनों को भू-माफियाओं से बचाने की है।' यदि इसके बाद भी सरकार नहीं चेती, तो भीलवाड़ा कलेक्ट्री का अनिश्चितकालीन घेराव किया जाएगा।

कुंडगेट शाहपुरा में को पोलियो की 2 बूंद जिंदगी की पिलाई गई

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा तहसील के कुंडगेट पर वार्ड नम्बर 18-19 व बाजार वासियो को पाल्स पोलियो अभियान के तहत पोलियो की दो बूंद पिलाई गई। जिसमे जीरो से पांच साल तक के सभी बच्चो को पोलियो की दवा पिलाई गई। प्लस पोलियो अभियान के तहत लोगो को जागरूक किया गया कि भूलना मत 28 जून 2026 रविवार को पोलियो की 2 बूंद जिंदगी की हर बच्चे के लिए जरूरी है जिसमे 0 से 5 साल तक के सभी बच्चो-बच्चियों को पोलियो की दवा जरूर पिलाना है।दो बूंद हर बार,पोलियो पर जीत इस बार। इस पोलियो के कार्यक्रम में नृसिंग ऑफिसर मनोज मीणा, एएनएम संजू वर्मा,मोहम्मद साहिल,मोहम्मद जेएफ,दक्ष खटीक आदि उपस्थित रहे।

अग्निवीरों के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब, चिताम्बा में निकली भव्य तिरंगा वाहन रैली

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में प्रशिक्षण पूर्ण कर पहली बार गृह जिले लौटे रावणा राजपूत समाज के जवानों का ग्राम चिताम्बा में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशाल तिरंगा वाहन रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन, युवा, महिलाएं और ग्रामीण शामिल हुए।

भारत पेट्रोल पंप चिताम्बा से आवरा माताजी तक निकाली गई रैली में देशभक्ति गीतों की गूंज, भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया।

मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं सर्व समाज के लोगों ने अग्निवीरों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने साफा पहनाकर, माल्यार्पण एवं मिठाई खिलाकर वीर जवानों का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में समाजसेवी एवं पूर्व सरपंच जगरूप सिंह रावणा, जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह गुढ़ा, अर्जुन सिंह (इंदौर), नारायण सिंह (कणवेरा), ओंकार सिंह (ज्ञानगढ़), राजेन्द्र सिंह (पारडी), कान सिंह फौजी, श्याम सिंह (करेड़ा), प्रिंस रावणा तथा मेवाड़ मन्दारिया सिलोटी के अध्यक्ष गोपाल सिंह चिताम्बा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नारायण सिंह (रायपुर), सरदार सिंह (हुरड़ा), चन्द्र सिंह (आमदला), विशाल सिंह (तहलेटी), बाबू सिंह (गंगरार) एवं धर्मराज सिंह (सोलंकियों का खेड़ा) का सार्वजनिक सम्मान किया गया।

सम्मानित अग्निवीरों ने समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मान से देश सेवा के प्रति उनका उत्साह और जिम्मेदारी और अधिक बढ़ी है तथा वे मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहेंगे।

शराब पार्टी में चली गोली, युवक के पैर में लगी, उम्मेद सागर बांध पर मचा हड़कंप

शाहपुरा के महेंद्र कहार घायल, जिला अस्पताल से भीलवाड़ा रेफर, फायरिंग को लेकर हादसा या विवाद, जांच में जुटी पुलिस

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। रविवार दोपहर शाहपुरा के उम्मेद सागर बांध पर युवकों की शराब पार्टी के दौरान गोली चलने से सनसनी फैल गई। गोली लगने से गाडरी खेड़ा निवासी महेंद्र कहार गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली उसके पैर में लगी, जिससे काफी खून बह निकला। मौके से लोगों ने तत्काल उसे शाहपुरा जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए उसे भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश विश्नोई मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य भी थाने पहुंचे, जहां कहार समाज के युवाओं की भीड़ जमा हो गई। एएसपी ने युवाओं से बातचीत कर उन्हें शांत किया और आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटनावश गोली चलने का सामने आया है। पुलिस के अनुसार कुछ युवक उम्मेद सागर बांध पर बैठकर शराब पार्टी कर रहे थे। संभावना है कि इसी दौरान शिकार के लिए लाई गई बंदूक से अचानक गोली चल गई, जो महेंद्र कहार के पैर में जा लगी। हालांकि यह कहानी पुलिस के शुरुआती अनुमान से अलग नजर आ रही है। बताते है शराब पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर युवकों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर एक युवक ने उत्तेजना में आकर महेंद्र कहार पर सीधे फायरिंग कर दी और वारदात के बाद खेतों की ओर फरार हो गया।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। समाज के लोगों ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस फरार युवक की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। एएसपी राजेश आर्य ने बताया कि पुलिस दोनों पहलुओं दुर्घटनावश गोली चलने और जानबूझकर फायरिंग को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर बालकिशन शर्मा कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर दिया जाएगा।

लाडपुरा स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र पर पोलियो दवा पिलाई गई

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा / कलेक्टर के निर्देश पर जिले में बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 28 से 30 जून तक किया जाएगा। तीन दिवसीय इस विशेष अभियान के तहत रविवार को लाडपुरा में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जन्म से 5 साल तक के 2034 बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई गई। लाडपुरा में भी यह पल्स पोलियो अभियान चल रहा है। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सीएचसी स्वास्थ्य केंद्र लाडपुरा की टीमें बच्चों को पोलियो की दवा पिला रही हैं।

रविवार बूथ दिवस सुबह 8 से शाम 4 बजे तक सभी तय बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई गई। 29-30 जून (दूसरा व तीसरा दिन) घर-घर दस्तक जो बच्चे बूथ पर छूट गए, स्वास्थ्यकर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी।

डॉ. राहुल ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान का शुभारंभ रविवार 28 जून को बूथ स्तर पर 2034 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। जबकि 29 और 30 जून (दूसरा व तीसरा दिन) स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों की पहचान करेंगी जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाए हैं। ऐसे बच्चों को उनके घर पर ही पोलियो वैक्सीन पिलाकर प्रतिरक्षित किया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने आसपास के परिवारों को भी जागरूक करें और पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलवाएं, ताकि लाडपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और मजबूत बना सके।

मुख्य बातें

1. किसको: 0 से 5 साल तक का हर बच्चा
2. कौन पिलाएगा: आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा, एएनएम, सीएचसी/ पीएचसी के स्वास्थ्य कर्मी
3. **लक्ष्य:** एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए
4. **अपील:** अगर आपके घर या आस-पड़ोस में 5 साल तक का कोई बच्चा है, तो 28 जून को नजदीकी पोलियो बूथ पर जरूर ले जाएं। बूथ न जा पाएं तो 29-30 जून (दूसरा व तीसरा दिन) घर-घर आने वाली टीम का इंतजार करें।
5. लाडपुरा में सीएचसी और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूरी तरह तैयार हैं - पोलियो मुक्त भारत के लिए दो बूंद जिंदगी की।

अभिभावकों से अनुरोध

1. अपने 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं।
2. नजदीकी पोलियो बूथया आंगनबाड़ी केंद्र पर जाएं
3. दवा की 2 बूंद हर बच्चे के लिए बहुत जरूरी है - इसे बिल्कुल न छोड़ें **'दो बूंद जिंदगी की' - पोलियो मुक्त भारत के लिए अपना योगदान दें।**

इस अभियान को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पर चलाया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम बूथ और घर-घर जाकर बच्चों को 2 बूंद पोलियो की खुराक दी जाएगी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में डॉ राहुल चौधरी, मैलनेस शिवलाल धाकड़, एएनएम लाजवंती, आशा सहयोगिनी लीला वैष्णव, सीता चतुर्वेदी, आशा दुर्गा वैष्णव, सहायिका सोनिया सुथार, कविता रेगर, अनिल मीणा, नैना माली, व जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

खाखला पट्टा घोटाले में बड़ा धमाका! पूर्व सरपंच के परिवार पर मेहरबानी, अब एफआईआर की तलवार

▪ स्मार्ट हलचल

गंगापुर / सहाड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत खाखला में कथित पट्टा घोटाले ने ऐसा विस्फोट किया है कि पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक हड़कंप मच गया है। जिला परिषद की जांच में सामने आए चौंकाने वाले खुलासों के बाद पूर्व सरपंच एवं वर्तमान प्रशासक रतनलाल स्वर्णकार, संबंधित वार्ड पंचों और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला परिषद ने सात दिन के भीतर एफआईआर दर्ज कराने और न्यायालय में कार्रवाई शुरू करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

सत्ता मिली तो परिवार पर बरसी जमीन!

जांच रिपोर्ट के अनुसार सरपंच पद पर रहते हुए अपने ही परिवार को लाभ पहुंचाने का खेल खेला गया। पत्नी, पुत्रों और पुत्रवधू के नाम भूखंडों के पट्टे जारी कर दिए गए। आरोप है कि जिन नियमों की पालना कराने की जिम्मेदारी थी, उन्हीं नियमों को ताक पर रखकर परिवार को फायदा पहुंचाया गया।

सड़क किनारे का कीमती भूखंड भी परिवार के नाम!

जांच समिति की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सरपंच के पुत्र के नाम सड़क सीमा क्षेत्र में व्यावसायिक भूखंड तक आवंटित कर दिया गया। यह ऐसा मामला है जिसने पूरे पंचायत क्षेत्र में चर्चा छेड़ दी है। भूमि विक्रय से जुड़ी जरूरी स्वीकृतियां भी नहीं ली गईं, जिससे पूरे आवंटन प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जांच रिपोर्ट आई तो मचा भूचाल

शिकायतकर्ता रतनलाल जाट की शिकायत पर गठित जांच समिति ने रिकॉर्ड खंगालने के बाद जो रिपोर्ट सौंपी, उसने प्रशासनिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी। रिपोर्ट में पंचायतीराज नियम 156, 157 और 167 के उल्लंघन की बात कही गई है।

सूत्रों के अनुसार जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद कई जिम्मेदारों की नींद उड़ गई है और पंचायत क्षेत्र में दिनभर इसी मामले की चर्चा हो रही है।

7 दिन का अल्टीमेटम, नहीं तो अधिकारियों पर भी गाज

जिला परिषद ने विकास अधिकारी सहाड़ा को साफ निर्देश दिए हैं कि सात दिन के भीतर सक्षम न्यायालय में निगरानी दर्ज कराई जाए और दोषियों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर करवाई जाए। आदेश में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों का सवाल – आखिर किसके संरक्षण में चलता रहा खेल?

मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

शाहपुरा में 21 करोड़ की शैक्षणिक उत्कृष्टता योजना के सूत्रधार सत्य नारायण लड्डा को राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

▪ स्मार्ट हलचल

ग्रामीण शिक्षा में नवाचार और समर्पण का मिला सम्मान, 29 जून को जयपुर में होंगे सम्मानित

शाहपुरा, / शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान तथा ग्रामीण विद्यालयों के समग्र विकास में उत्कृष्ट सहयोग के लिए फूलिया कलां के भामाशाह सत्य नारायण लड्डा को राजस्थान सरकार के प्रारंभिक शिक्षा एवं पंचायतीराज विभाग द्वारा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2026 में 29 जून 2026 को बिड़ला सभागार, जयपुर में आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया जाएगा। लड्डा ने 21 करोड़ रू की लागत से फुलियाकलां में विद्यालय का निर्माण करवाया है। सत्य नारायण लड्डा का यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, फूलिया कलां से प्राप्त की। वर्षों बाद जब उन्होंने अपने पुराने विद्यालय का पुनः अवलोकन किया तो वहां का दृश्य भावुक कर देने वाला था। विद्यालय में पर्याप्त कक्षाओं का अभाव था और अनेक विद्यार्थियों को पेड़ों की छांव में बैठकर अध्ययन करना पड़ रहा था। अपने विद्यालय और जन्मभूमि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लड्डा ने शिक्षा व्यवस्था में स्थायी परिवर्तन का संकल्प लिया। इसी दूरदर्शी सोच से शैक्षणिक एवं खेल उत्कृष्टता केंद्र योजना की परिकल्पना साकार हुई, जिसका उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को शहरों जैसी आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। श्री कल्याण सेवा संस्थान द्वारा संचालित लगभग 21 करोड़ रुपये की यह महत्वाकांक्षी योजना आज ग्रामीण शिक्षा में परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है। इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, बल्कि आधुनिक आधारभूत संरचना, खेल सुविधाएं, व्यक्तित्व विकास, व्यवसायिक मार्गदर्शन तथा जीवन कौशल जैसे महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान किए जा रहे हैं। संस्थान के अध्यक्ष सुभाष लढ़ा ने बताया कि इस योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को नई दिशा दी है। जहां पहले संसाधनों की कमी विद्यार्थियों के सपनों में बाधा बनती थी, वहीं अब यह योजना उन सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम बन रही है। शिक्षा विशेषज्ञ भी इसे सामुदायिक सहभागिता और नवाचार का प्रेरणादायी उदाहरण मान रहे हैं। सत्य नारायण लड्डा के दूरदर्शी नेतृत्व, विद्यालय विकास के प्रति समर्पण तथा समाजहित में दिए गए उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए राजस्थान सरकार ने उन्हें 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान-2026 के लिए चयनित किया है। यह सम्मान उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण योगदान देकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया हो। श्री कल्याण सेवा संस्थान परिवार ने इस उपलब्धि को पूरे क्षेत्र, विद्यालय परिवार और इस योजना से जुड़े सभी सहयोगियों के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। संस्थान के सदस्यों ने कहा कि यह सम्मान भविष्य में शिक्षा सुधार के लिए और अधिक प्रेरणा देगा। फुलियाकलां के क्षेत्रवासियों में भी इस उपलब्धि को लेकर हर्ष का वातावरण है। सभी ने सत्य नारायण लड्डा को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

यह सम्मान निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा और यह संदेश देगा कि यदि संकल्प मजबूत हो तो ग्रामीण शिक्षा की तस्वीर बदली जा सकती है।

विधायक आक्या के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने सुनी पीएम मोदी की मन की बात

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौडगढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ द्वारा रविवार को मन की बात के 135 वे एपीसोड का सीधा प्रसारण नगर क्षेत्र के बुथ नं 133 में सुना गया।

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आमजनो से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा व प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होने किसानो से आग्रह किया की वे अपनी आय बढ़ाने और पर्यावरण को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती को ज्यादा से ज्यादा अपनाएं।

इस अवसर पर अनिल ईनाणी, भोलाराम प्रजापत, एडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा, दिनेश चतुर्वेदी, मन की बात प्रभारी मोहित पूरी, नवीन पटवारी, पिंटु मोदी, गोपाल जाजू, कमलेश आमेरिया, राजन माली, विनित तिवारी, अनिल सुराणा, फतहलाल भड़कतिया, शुभम सुखवाल, दिनेश मुंदड़ा, विरेन्द्र न्याती, राजकुमार तोलम्बिया, रामप्रसाद बगेरवाल, विक्रम गवारिया, दिपक वर्मा, दिलीप सुथार, हरीश गुरनानी, शांतनु काबरा, सुरेन्द्र गील, बोतलाल मीणा, दिनदयाल भारद्वाज, राजेश शर्मा, पूर्णेश मेहता, हर्षद दशोरा, मुकेश आमेरिया, पंकज सेन, भगवतीलाल सालवी, महेश लोहानी, कैलाश पायक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाहेती लगातार दूसरी बार निर्विरोध जिलाअध्यक्ष , रमेश राठी निर्विरोध मंत्री सहित सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। री-नीट यूजी 2026 भीलवाड़ा, 29 जून 2026 - भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के सत्र 2026-29 के लिए रविवार को आनंदम् भवन, आजाद नगर में सम्पन्न चुनाव में अशोक बाहेती लगातार दूसरी बार निर्विरोध जिलाध्यक्ष चुने गए। उनके साथ रमेश राठी भी जिला मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

मुख्य चुनाव अधिकारी रतनलाल मण्डोवरा ने बताया कि समाज के नए भवन आनंदम्, प्रकल्प जिला महेश सेवा निधि में प्रातः 10 बजे से चुनावी प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। अध्यक्ष और मंत्री पद पर एक-एक नामांकन आने से दोनों पदाधिकारी निर्विरोध घोषित किए गए।

नई कार्यकारिणी का गठन चुनाव अधिकारी के अनुसार अन्य पदों पर भी चुनाव सम्पन्न हुए। प्रदीप बल्दवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रामराय सेठिया, केदार गगरानी उपाध्यक्ष, सुशील कुमार मरोठिया अर्थमंत्री, संजय जागेटिया संगठन मंत्री तथा दिनेश तोषनीवाल, मानसिंह मून्दड़ा, राजेन्द्र कुमार पोरवाल संयुक्त मंत्री सहित सभी पदों के लिए निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुए इन सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल 2026 से

2029 तक रहेगा।

मुख्य चुनाव अधिकारी मंडोवरा ने बताया की चुनाव अधिकारी तेजकरण बहेडिया, लक्ष्मी नारायण सोमानी, घनश्याम काष्ट, ओमप्रकाश मून्दड़ा, ओमप्रकाश लढ़ा, ओमप्रकाश काबरा , कैलाश चन्द्र मून्दड़ा मौजूद थे\

पूरी चुनाव प्रक्रिया महा सभा के कैलाश मंत्री , रामगोपाल सोमानी एवं जिले के राजेंद्र कुमार दरगड़ चुनाव पर्यवेक्षक की देखरेख में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई। निर्विरोध निर्वाचन से समाज में एकजुटता का संदेश गया है।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती ने समाज के सभी कार्यकारी मण्डल सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि वे समाज हित और संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

नई टीम को समाजजनों ने दी बधाई चुनाव परिणाम घोषित होते ही समाज के वरिष्ठजनों, कार्यकर्ताओं और महिला मण्डल की ओर से नई कार्यकारिणी को बधाईयों का तांता लग गया। आनंदम् परिसर में उत्साह का माहौल रहा।

'टीम अच्छी बनी है, समाज उत्थान के लिए कार्य करें': रामपाल सोनी इस अवसर पर महासभा के पूर्व सभापति श्री रामपाल जी सोनी ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए कहा, 'टीम अच्छी बनी है। इनको समाज के उत्थान के काम करने चाहिए। जिले की टीम ने पूर्व में भी अच्छा कार्य किया है और आगे भी टीम भावना से कार्य करेगी।'नए सत्र में अनुभव का लाभ समाज को मिलना चाहिए। हर दो माह में कार्यसमिति/ कार्यकारी मण्डल की मीटिंग कर महासभा की सभी योजनाओं का लाभ ग्रामीण अंचल तक पहुचना चाहिए। और सभी को काम अलग अलग पदाधिकारियों में बाट कर करना चाहिए। इस अवसर ओर प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, पुष्कर सेवा सदन उपाध्यक्ष अनिल बांगड़, भीलवाड़ा जिला महेश सेवा समिति के सचिव प्रहलाद राय लढ़ा, महेश सेवा समिति अध्यक्ष ओम नरानीवाल, रामेश्वरम अध्यक्ष कैलाश कोठारी सहित अनेक पदाधिकारी, समाज बंधु मौजूद थे। इस आ सर पर नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया ने आभार जताया।

छात्रावास के अध्यक्ष रतनलाल मुंडेतिया एवं सचिव एडवोकेट कमलेश मुंडेतिया बने

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-अखिल भारतीय रेगर समाज छात्रावास विकास समिति शाहपुरा की बैठक देबीलाल नींदरिया की अध्यक्षता में छात्रावास शाहपुरा में संपन्न हुई। बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्व समिति से अध्यक्ष पद पर रतनलाल मुंडेतिया सचिव, एडवोकेट कमलेश कुमार मुंडेतिया उपाध्यक्ष, मेवालाल जगरवाल, लादूराम जारोटिया, कोषाध्यक्ष हंसराज जाबरोलिया, सह सचिव चंद्रप्रकाश इंदौरिया, सरक्षक देवीलाल नींदरिया, रणजीत नींदरिया, कैलाशचंद्र इंदौरिया को मनोनीत किया गया। नवीन कार्यकारिणी का समाज जिन्होंने माला और साफा पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया। नवनियुक्त छात्रावास सचिव एडवोकेट कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी रेगर समाज के छात्रों के शैक्षणिक विकास के हित में कार्य करेगी। आगामी माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के व्यक्तियों एवं छात्रावास में सहयोग देने वाले भामाशाहों का जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सम्मान समारोह रखा जाकर सम्मान किया जाएगा। नवनियुक्त छात्रावास अध्यक्ष रतन लाल मुंडेतिया ने कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास होगा और छात्रों को अध्ययन के लिए अच्छा वातावरण मिले इसके लिए हर संभव सकारात्मक कार्य किया जाएगा। सामाजिक उत्थान और सामाजिक जागरूकता के लिए समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष देबीलाल नींदरिया, रतनलाल आरटिया, रामेश्वर लाल रेगर पारोली, मोहनलाल रेगर, भंवरलाल रेगर, माधुलाल रेगर, संपत लाल रेगर रहड़, ब्रह्मदत्त रेगर जहाजपुर, रामपाल रेगर रासेड, प्रहलाद रेगर, आनंद मुंडेतिया, मदनलाल जगरवाल, मेवालाल जगरवाल, कैलाशचंद्र इंदौरिया, चंद्रप्रकाश रेगर, रंणजीत रेगर गणेशपुरा, गोपाल लाल जारोटिया, धन्नालाल रेगर अरनिया रासा, बंसीलाल रेगर, भेरूलाल रेगर सहित समाज के कई लोग उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद तरणताल के तैराकों का शानदार प्रदर्शन, जिला तैराकी प्रतियोगिता में जीते 72 पदक

अवंतिका ओझा पांच स्वर्ण पदक जीतकर बनीं व्यक्तिगत चैंपियन, 22 तैराक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा//शाहपुरा/भीलवाड़ा-नगर पालिका तरणताल, शाहपुरा में आयोजित जिला स्तरीय सब जूनियर एवं जूनियर तैराकी प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद तरणताल, भीलवाड़ा के तैराकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 72 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में अवंतिका ओझा ने पांच स्वर्ण पदक जीतकर अपने आयु वर्ग की व्यक्तिगत चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। वहीं शानदार प्रदर्शन के आधार पर स्वामी विवेकानंद तरणताल के 22 तैराकों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत ने बताया कि जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र भीलवाड़ा द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद तरणताल के 28 तैराकों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। भारतीय तैराकी संघ के मानकों के अनुरूप आयोजित इस प्रतियोगिता में 8 से 17 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने चार अलग-अलग समूहों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयनित तैराक आगामी 3 से 8 जुलाई तक

उदयपुर स्थित महाराणा प्रताप खेल गांव के अंतरराष्ट्रीय तरणताल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भीलवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में ग्रुप-1 बालक वर्ग में श्रीयांश शर्मा ने एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते, जबकि शिवदेव सिंह राणावत ने दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। ग्रुप-2 बालक वर्ग में विजय गुर्जर ने दो स्वर्ण और एक रजत, शुभम गांछा ने एक स्वर्ण और तीन रजत, दीपक मीणा ने एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य तथा अनिकेत सेन ने दो रजत और एक कांस्य पदक जीते। ग्रुप-3 बालक वर्ग में वैभव माली ने तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। आफताब कायमखानी ने एक रजत और चार कांस्य, जबकि अभिज्ञान चतुर्वेदी ने एक रजत और एक कांस्य पदक प्राप्त किया। ग्रुप-4 बालक वर्ग में देवराज माली ने एक स्वर्ण और चार रजत पदक जीते तथा तेज सिंह राणावत ने एक रजत पदक हासिल किया। ग्रुप-2 बालिका वर्ग में आलिया खान ने एक स्वर्ण और तीन रजत, निहारिका राठौर ने दो स्वर्ण, प्रियंका माली ने एक स्वर्ण और दो कांस्य तथा प्रीति माली ने दो स्वर्ण पदक जीते। ग्रुप-3 बालिका वर्ग में अवंतिका ओझा ने पांच स्वर्ण पदक जीतकर व्यक्तिगत चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। ऊर्जा प्रसाद ने तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य तथा अदिति खोईवाल ने एक स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम किए। ग्रुप-4 बालिका वर्ग में शावना राणावत ने एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते, जबकि सुयश गुर्जर ने एक रजत पदक हासिल किया। प्रतियोगिता से लौटने पर स्वामी विवेकानंद तरणताल में खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विवेकानंद खेल विकास संस्थान के अध्यक्ष श्याम सुंदर सोनी, सचिव राकेश पालीवाल, कोषाध्यक्ष कमल सिंह राणावत, उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह शेखावत, अब्बास अली कायमखानी, यमुना प्रसाद यादव, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र सिंह राठौड़, कुणाल ओझा, मुकेश मित्तल, परवीन बानो, अर्चना यादव और तनिष्का राणावत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान शुरू, पहले दिन 21,538 बच्चों को पिलाई गई 'दो बूंद जिंदगी की'

▪ स्मार्ट हलचल

फूलियाकलां (भीलवाड़ा), जहाजपुर (मोहम्मद आज़ाद नेब) राष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान का शुभारंभ रविवार को उप जिला चिकित्सालय से किया गया। अभियान के तहत चिकित्सा अधिकारियों ने नन्हे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की और क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की कि वे जन्म से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं।

शुभारंभ के अवसर पर पीएमओ डॉ. दिलीप मीणा एवं डॉ. नईम अख्तर ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस दौरान ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भागीरथ मीणा, डॉ. प्रशांत वर्मा, ब्लॉक पोलियो प्रभारी खेमराज मीणा, सुपरवाइजर सुमित कुमार, अंजनी पत्रियां, महेंद्र मीणा, नर्सिंग अधिकारी रमेश मीणा, कोल्ड चेन प्रभारी सुनील सालवी, वैक्सीनेटर कविता जाट, अंजना गुजराती सहित चिकित्सा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पीएमओ डॉ. दिलीप मीणा ने कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की दो बूंद पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं और घर-घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीमों का सहयोग करें।

बीसीएमओ डॉ. भागीरथ मीणा ने बताया कि अभियान के पहले दिन ब्लॉक क्षेत्र में स्थापित 145 पोलियो बूथों पर 580 वैक्सीनेटर, 2 मोबाइल टीमें एवं 28 सुपरवाइजरों की निगरानी में 21,538 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। उन्होंने बताया कि अभियान के दूसरे एवं तीसरे दिन सोमवार और मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो किसी कारणवश रविवार को बूथ तक नहीं पहुंच सके। विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाकर अभियान को सफल बनाएं।

15 वर्षीय बालव्यास की मधुर वाणी में सजी कृष्ण बाल लीलाएं, गिरिराज पूजन और छप्पन भोग की झांकी ने मोहा मन

▪ स्मार्ट हलचल

खजूरी। शिवाजी कॉलोनी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाओं में भावविभोर हो उठे। 15 वर्षीय बालव्यास राधे कृष्ण महाराज (कोटड़ी) ने अपने ओजस्वी एवं मधुर मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप, माखन चोरी, गोचारण, कालिय नाग दमन तथा गोप-गोपियों के साथ दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथाव्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीला केवल

मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, प्रेम, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि जब मनुष्य अहंकार छोड़कर भगवान की शरण में आता है, तभी उसके जीवन में वास्तविक सुख और शांति का उदय होता है।

कथा के दौरान गिरिराज पूजन का प्रसंग बड़े ही भक्तिभाव के साथ प्रस्तुत किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को आत्मसात करते हुए प्रकृति संरक्षण, गौसेवा और ईश्वर के प्रति समर्पण का संकल्प लिया।

इसके पश्चात छप्पन भोग की भव्य झांकीसजाई गई, जिसने पूरे कथा पंडाल को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। रंग-बिरंगे फूलों की सजावट, आकर्षक श्रृंगार और मनोहारी प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने जयकारों के बीच दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

कथा के अंत में भजन-कीर्तन और आरती के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण से सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की।

आयोजक पंडित रामगोपाल भट्ट ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 30 जून तक जारी रहेगा

अच्छी वर्षा एवं खुशहाली की कामना को लेकर हुई इंद्र पूजा

▪ स्मार्ट हलचल

गेणोली। क्षेत्र में अच्छी वर्षा, सुख-समृद्धि एवं किसानों की खुशहाली की कामना को लेकर रविवार को मांडलगढ़ उपखंड के गेणोली स्थित कंकाली माता मंदिर परिसर में ग्रामीणों द्वारा श्रद्धा एवं आस्था के साथ इंद्र पूजा का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना के दौरान ग्रामीणों ने भगवान इंद्र से समय पर अच्छी वर्षा होने तथा क्षेत्र में समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना की। पूजा के उपरांत पारंपरिक रूप से बाटी-भोग का आयोजन किया गया तथा प्रसाद वितरण के बाद मंदिर के पुजारी को भोजन कराकर धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया गया। ग्रामीणों ने विश्वास व्यक्त किया कि इंद्र देव की कृपा से क्षेत्र में अच्छी वर्षा होगी, जिससे किसानों की फसलें लहलहाएंगी और खुशहाली आएगी। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामवासी श्रद्धापूर्वक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

रील किसकी... फायदा किसका? देश में सोशल मीडिया कंटेंट चोरी का बढ़ता खेल!

दूसरों की रील और वीडियो कॉपी कर चमक रहा कारोबार, क्या कॉपीराइट कानून सिर्फ कागजों तक सीमित हैं?

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाडा (महेन्द्र नागौरी) डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि व्यापार, ब्रांडिंग और मार्केटिंग का सबसे प्रभावी प्लेटफॉर्म बन चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हर दिन लाखों रील और वीडियो अपलोड हो रहे हैं। लेकिन इसी डिजिटल क्रांति के बीच एक नया और गंभीर संकट तेजी से उभर रहा है—सोशल मीडिया कंटेंट चोरी। देशभर में छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े कारोबारी तक अपने उत्पादों के प्रचार के लिए आकर्षक रील और वीडियो तैयार करवा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ लोग बिना किसी अनुमति के इन्हीं वीडियो को डाउनलोड कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड कर रहे हैं और उनसे व्यापारिक लाभ भी कमा रहे हैं।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—मेहनत किसी की... और मुनाफा किसी और का क्यों?

एक क्लिक में चोरी, महीनों की मेहनत पर पानी

एक प्रभावशाली रील तैयार करने में स्क्रिप्ट, शूटिंग, मॉडल, एडिटिंग, ग्राफिक्स और प्रमोशन पर हजारों से लाखों रुपये तक खर्च होते हैं। लेकिन कुछ लोग महज कुछ मिनटों में उस कंटेंट को डाउनलोड कर अपने नाम से पोस्ट कर देते हैं। कई मामलों में केवल दुकान का नाम या लोगो बदलकर वही वीडियो ग्राहकों के सामने परोस दिया जाता है।

कौन-कौन से कारोबार सबसे ज्यादा प्रभावित?

डिजिटल मार्केटिंग से जुड़े जानकार बताते हैं कि रेडीमेड गारमेंट्स, महिला परिधान, ज्वेलरी, कॉस्मेटिक्स, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेस्टोरेंट, होटल, रियल एस्टेट और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में कंटेंट कॉपी करने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। कई बार एक ही रील अलग-अलग शहरों के दर्जनों व्यापारिक पेजों पर दिखाई देती है।

क्या यह सिर्फ नैतिक गलती है या कानूनी अपराध?

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी व्यक्ति द्वारा तैयार किए गए मौलिक वीडियो, फोटो, संगीत या अन्य रचनात्मक सामग्री का बिना अनुमति व्यावसायिक उपयोग किया जाता है, तो यह कॉपीराइट उल्लंघन की श्रेणी में आ सकता है। प्रभावित व्यक्ति संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शिकायत दर्ज कराने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई का भी अधिकार रखता है। छोटे क्रिएटर्स सबसे ज्यादा परेशानः- देशभर में हजारों कंटेंट क्रिएटर्स और प्रोफेशनल वीडियो मेकर्स का कहना है कि उनकी बनाई गई रीलें वायरल होते ही दूसरे लोग उन्हें डाउनलोड कर अपने पेजों पर डाल देते हैं। इससे न केवल उनकी पहचान प्रभावित होती है, बल्कि उनकी आय और व्यावसायिक अवसरों पर भी असर पड़ता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी पर भी सवाल

विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया कंपनियों ने कॉपीराइट शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था तो बनाई है, लेकिन चोरी किए गए कंटेंट को हटाने की प्रक्रिया कई बार लंबी और जटिल साबित होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म कंटेंट चोरी रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठा रहे हैं? व्यापारियों के लिए भी चेतावनी डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञों का कहना है कि किसी दूसरे की रील या वीडियो का उपयोग करने से पहले उसकी अनुमति लेना जरूरी है। कुछ समय का प्रचार पाने के लिए कॉपी किया गया कंटेंट भविष्य में कानूनी विवाद, आर्थिक नुकसान और प्रतिष्ठा को भी प्रभावित कर सकता है।

बड़ा सवाल...

क्या सोशल मीडिया पर कंटेंट चोरी अब नया 'डिजिटल कारोबार' बन चुकी है? क्या मौलिक कंटेंट बनाने वालों को पर्याप्त कानूनी सुरक्षा मिल रही है? क्या कॉपीराइट कानूनों का प्रभावी पालन हो रहा है? और **सबसे बड़ा सवाल—रील किसकी... फायदा किसका**?

डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में मौलिक कंटेंट ही किसी भी ब्रांड की सबसे बड़ी पहचान है। यदि कंटेंट चोरी पर समय रहते प्रभावी रोक नहीं लगी, तो यह न केवल रचनात्मकता को नुकसान पहुंचाएगी, बल्कि ईमानदारी से डिजिटल कारोबार करने वालों का विश्वास भी कमजोर करेगी।

झांला की चौकी फायरिंग कांड का मुख्य इनामी बदमाश टिकम नायक और सह-आरोपी गिरफ्तार

शराब के पैसों के विवाद में कारोबारी पर की थी अंधाधुंध फायरिंग; 2000 का इनामी बदमाश पुलिस की गिरफ्त में

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। ब्यावर जिले के बर थाना क्षेत्र के अंतर्गत झाला की चौकी पर हुई सनसनीखेज फायरिंग की घटना का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसके एक साथी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार मुख्य आरोपी टिकम नायक पर पुलिस द्वारा 2000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए गए वाहन को भी बरामद कर लिया है।

पुरानी रंजिश और जानलेवा हमला

पुलिस के अनुसार, बीती 18 मई 2026 को झाला की चौकी से बिराटिया खुर्द जाने वाली रोड पर स्थित एक शराब ठेके के केबिन पर पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद का बदला लेने और शराब कारोबारी धर्मीचंद को जान से मारने की नीयत से आरोपी टिकम नायक ने अपने साथियों के साथ मिलकर रैकी की थी।

इसके बाद, 21 जून 2026 को शाम करीब 6:15 बजे मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए बदमाशों ने धर्मीचंद के निवास स्थान के सामने अंधाधुंध फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस थाना बर में विभिन्न गंभीर धाराओं (BNS और आर्म्स एक्ट) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

6 जिलों में दबिश, बस रुकवाकर दबोचा इनामी बदमाश

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (SP) रतनसिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया व वृताधिकारी रायपुर बंशीलाल पाण्डर के सुपरविजन में विशेष टीमों का गठन किया गया।

पुलिस टीमों ने आरोपियों की तलाश में ब्यावर, अजमेर, राजसमन्द, उदयपुर, जोधपुर और पाली के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। इस दौरान साइबर सेल की तकनीकी सहायता और मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने ब्यावर-उदयपुर रोड पर एक संदिग्ध बस को रुकवाया और 2000 के इनामी अपराधी टिकम नायक को डिटेन कर लिया।

सह-आरोपी भी जवाजा से गिरफ्तार

मुख्य अभियुक्त से कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके सह-आरोपी कचरूराम को जवाजा थाना क्षेत्र से वारदात में इस्तेमाल किए गए वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरणः

टिकम नायक (उम्र 25 वर्ष): निवासी झाला की चौकी, थाना बर (मुख्य आरोपी, जिसके खिलाफ पहले भी चोरी और एससी/एसटी एक्ट के संगीन मामले दर्ज हैं)।

कचरूराम (उम्र 22 वर्ष): निवासी बाडिया गैना, थाना जवाजा।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीमः

इस सफल कार्रवाई में बर थानाधिकारी (उप निरीक्षक) पन्नालाल, हेड कांस्टेबल वेदप्रकाश, कांस्टेबल महिपाल, गिरधारी, कालूराम, होनाराम और ब्यावर जिला साइबर सेल की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अब आरोपियों से मामले में गहन पूछताछ कर रही है।

भ्रष्टाचार रूपी शिष्टाचार को छोड़ सदाचार का मार्ग अपनाएंः आचार्य सुदर्शन

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। नानक वंश के अष्टम पट्टधर, परम पूज्य आचार्य 1008 श्री सुदर्शन लाल जी म.सा. का ब्यावर नगरी में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। पूज्य आचार्य श्री सोहनलाल जी म.सा. की पावन निश्रा में विचरण कर रहे आचार्य श्री की अगवानी के लिए अजमेरी गेट पर सैकड़ों की संख्या में गुरु भक्त उपस्थित रहे।

'मां भवरी के लाल की, जय सुदर्शन लाल की' के गगनभेदी नारों और गाजे-बाजे के साथ ब्यावर श्री संघ के श्रावकों ने आचार्य श्री को बीरद भवन में प्रवेश करवाया। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री सकल प्राज्ञ महिला मंडल ने सुमधुर मंगलाचरण की प्रस्तुति देकर आचार्य श्री से आशीर्वाद लिया।

सदाचार से ही आंतरिक मजबूती संभवः

आचार्य श्री बीरद भवन में आयोजित धर्मसभा में उपस्थित जनमेदिनी को संबोधित करते हुए आचार्य सुदर्शन लाल जी म.सा. ने कहा कि वर्तमान समय में भ्रष्टाचार समाज में शिष्टाचार का रूप लेता जा रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। हमें इस कुप्रवृत्ति को त्यागकर सदाचार को अपनाना होगा।

उन्होंने मार्मिक संदेश देते हुए फरमाया कि भ्रष्टाचार का साथ बहुत जल्दी मिल जाता है, लेकिन वह मनुष्य को भीतर से खोखला कर देता है। इसके विपरीत, सदाचार का मार्ग कठिन जरूर है, पर यह इंसान को अंदर से मजबूत और सच्चा इंसान बनाता है। आचार्य श्री ने प्रबुद्धजनों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपकी पहुंच और पकड़ देश के संविधान को तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि उसकी मजबूती से पालना करने के लिए होनी चाहिए।

विभिन्न श्री संघों ने किए दर्शन, चातुर्मास की अर्जियां लगाईं इस भव्य मंगल प्रवेश के साक्षी बनने के लिए अजमेर, विजयनगर, मसूदा, भीलवाड़ा, कंवलियास, बांदनवाड़ा, नसीराबाद, किशनगढ़, मकराना, रिया, सरवाड़, थांवला, पीसांगन, बड़ा महुआ, जहाजपुर, केकड़ी और बड़ी पादु सहित अनेक क्षेत्रों के जैन संघ ब्यावर पहुंचे और आचार्य श्री के दर्शन-वंदन किए।

इस दौरान अजमेर श्री संघ की ओर से कैलाश गेलड़ा ने चातुर्मास से पूर्व अजमेर पधारने की भावभीनी विनती रखी। वहीं, विजयनगर श्री संघ के महामंत्री ज्ञान सिंह सांखला ने चातुर्मास के बाद विजयनगर पधारने का आग्रह किया।

यह रहेगी प्रवचन और प्रवास की व्यवस्था

ब्यावर श्री संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि आचार्य श्री के नियमित प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 08:30 बजे से बीरद भवन में आयोजित होंगे।

आचार्य श्री का प्रवास स्थलः गांधी आराधना भवन

महासती जी म.सा. का प्रवास स्थलः अरिहंत भवन

ये रहे उपस्थितः

इस ऐतिहासिक मंगल प्रवेश के अवसर पर डॉ. के.सी. चौधरी, जसवन्त बाबेल, मोहित काठेड, नरेंद्र डोसी, सुनील काठेड, महावीर नाहर, मुकेश बाफना, पूनम भंसाली, आशीष डोसी, अमित बाबेल, सम्पत बांठिया, महेन्द्र कोठारी, नवलेश बुरड, निखिल बोहरा सहित समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिक और गुरुभक्त उपस्थित रहे।

ब्यावर का गौरवः ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी चन्द्रवीर को मिलेगा राज्य स्तरीय 'प्रो. पी.सी. महालनोबिस अवार्ड'

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। सांख्यिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट, विश्वसनीय और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए जैतारण के ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी (BSO) चन्द्रवीर को राज्य स्तरीय 'प्रो. पी.सी. महालनोबिस सांख्यिकी अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान सांख्यिकी विभाग का सर्वोच्च पुरस्कार माना जाता है। चन्द्रवीर को यह पुरस्कार 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' के अवसर पर जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ़ राजस्थान में आयोजित होने वाले एक भव्य राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किया जाएगा।

नीति निर्माण और योजनाओं में अनुकरणीय योगदान

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उपनिदेशक के अनुसार, चन्द्रवीर ने जैतारण में पदस्थापन के दौरान डेटा संकलन, सटीक विश्लेषण और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रशासनिक निर्णयों और जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण के लिए उन्होंने एक मजबूत और विश्वसनीय सांख्यिकीय आधार उपलब्ध कराया है। उनकी इसी कार्यकुशलता, तकनीकी नवाचार और समर्पित सेवाओं को देखते हुए इस राज्य स्तरीय सम्मान के लिए उनका

चयन किया गया है।

पूर्व में भी मिल चुके हैं कई सम्मान

यह पहला मौका नहीं है जब चन्द्रवीर के काम को सराहा गया है। इससे पहले भी वे निर्वाचन (चुनाव) संबंधी सांख्यिकीय कार्यों, विभागीय सर्वेक्षणों, डेटा प्रबंधन और विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं की सटीक मॉनिटरिंग के लिए कई बार सम्मानित हो चुके हैं।

विभाग और जिले में हर्ष का माहौल

चन्द्रवीर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और ब्यावर जिले के नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। विभागीय सहयोगियों ने इसे पूरे जिले और विभाग के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए चन्द्रवीर को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी हैं।

माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारात्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो

चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 12.7 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए व बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत जुड़ी समस्याओं का खत

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किश हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल कर चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चो फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उ स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती